RNI No. 50309/85 डाक पंजीयन क्र. म.प्र. / 261 / भोपाल / 2009-11

## रात

रात नाम की
इक अम्मा के
बच्चे बहुत ही प्यारे
एक था उनमें चन्दा
और बहुत-से तारे

– प्रभात

## कुछ बादल

कुछ बादल देखे मैंने
आकाश के आँगन में

एक बादल खिला फूल-सा
एक हँसता दो दाँत दिखा
और एक दिखा गुस्से में
आकाश के आँगन में

इक बादल मुझसे बतियाता
एक चिढ़ाता, जीभ दिखाता
इक सोया था गहरी नींद में
आकाश के आँगन में

एक बादल बनते लड्डू-सा
एक बिखर गई झाड़ू-सा
और एक लटका थैले में
आकाश के आँगन में

– दिलीप चुघ

चित्र: प्रणिता केशव

प्रकाशक तथा मुद्रक सी. एन. सुब्रह्मण्यम (निदेशक - एकलव्य) ई-10, शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल 462016, म.प्र. तथा मुद्रण स्थल आर. के. सिक्युप्रिन्ट प्रा. लि. प्लॉट नम्बर 15-बी, गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल - 462021 (फोनः 0755 - 2687589)।
सम्पादकः सुशील शुक्ल, एकलव्य, ई-10, शंकर नगर, 61/2 बस स्टॉप के पास, भोपाल 462016, म.प्र.